

अपने साथियों के साथ बेटी ने खुद के घर में डाला डांका 8 लाख नगदी सहित तीनों आरोपी पुलिस के गिरफ्त में

खेत बेच कर घर में रखे पैसे पर बेटी का डोला नियत, प्लानिंग के साथ चोरी की घटना को दिया अंजाम

पायनियर संवाददाता < कांकेर
www.dailypioneer.com

नंदनमारा घर के आलमारी से नगदी 9 लाख रुपये की चोरी के मामले में कांकेर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है जिसमें प्रार्थी की बेटी व उसके दो साथियों को नगदी रकम के साथ अपने गिरफ्त में लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चरणबद्धी कोराम पति स्व. कुंवर सिंह कोराम नंदनमारा कांकेर थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके हिस्से कि लगभग 1.5 एकड़ जमीन नंदनमारा बाईपास में स्थित है उसमें से लगभग 75 डिसमील जमीन को सबलपुर निवासी स्वरूप चंद जैन को 4 माह पहले 12 लाख रुपये में बेची थी, जिसको बेचने के बाद मिले 12 लाख रुपये को अपने निवास में लोहे के आलमारी में रखी थी। उसमें से लगभग 3 लाख रुपये रकम के घर बनाने में खर्च हो गया है लगभग 9 लाख रुपये अपने आलमारी में

रखी थी, जिसे 9 मई 2024 को रात कोई अज्ञात चोर ने प्रार्थिया घर में रात में घुसकर आलमारी तोड़कर रखे पैसे को चोरी होने कि रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई के एलेसिला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के पर्यवेक्षण मे थाना कांकेर से दो टीम उप निरीक्षक राम कुमार साव एवं प्र.आर. 203 ओमप्रकाश के नेतृत्व में टीम का गठन कर मामले में अज्ञात आरोपियों एवं चोरी हुए पैसे की पता साजी हेतु खाना किया गया। विवेचना के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि नंदनमारा में हुये चोरी के संदिग्ध महिला प्रार्थिया की बेटी सुरेखा मरकाम पति स्व. आत्माराम मरकाम निवासी मानिकपुर थाना नरहरपुर जिला कांकेर को मुखबीर सूचना पर गोविन्दपुर की ओर पुलिस टीम



रवाना हुई थी। जिसे देखकर संदेही महिला भागने का प्रयास कर रही थी जिसे घेराबंदी कर संदेही महिला को पकड़कर अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पुछताछ करने पर बताया कि उसे पैसे की जरूरत होने पर उसकी मां जमीन बेचकर 9 लाख रुपये अपने

पास रखी थी जिसमें से कुछ पैसे देने के लिये बोली जो पैसे देने से मना कर दी तब अपने अन्य दो पुरुष मित्र सोमरू पांडे, पिता अंकालू राम पांडे निवासी अण्डी थाना कोर एवं शीतल नायक उर्फ कांता, पिता स्व. पन्ना लाल नायक

निवासी टिकरापारा कांकेर से मिलकर अपने मां के घर नंदनमारा के आलमारी में रखे पैसे के बारे में दोनों सहयोगी को बताकर 9 मई के रात्रि करीबन 12 से 1 बजे के बीच में जब घर के अन्य सदस्य गहरी नींद में सो गये थे तब अपने साथियों

को फोन के माध्यम से बुलाकर अपने मां के घर में रखे 9 लाख रुपये को चोरी करवायी है। आरोपिया ने कबूल किया कि स्वयं तीन लाख रुपये अपने बेडरूम के पलंग में छुपाकर रखी है शेष रकम को अपने दोनो सहयोगियों को दे दी है उक्त

तीन लाख रुपये को आरोपिया के कब्जे से बरामद किया गया आरोपी सोमरू पांडे का पता तलाश किया गया जो कि माकड़ी चौक में मिला जो पुलिस वाहन को देखकर भागने का प्रयास कर रहा था जिसे अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पुछताछ करने पर अन्य साथियों के साथ चोरी करना कबूल किये है आरोपी के आधार पर उनके पास रखे थेले से तीन लाख रुपये नगद बरामद किया गया। बाद अन्य आरोपी शीतल नायक उर्फकांता का पता तलाश किया गया जो ज्ञानी चौक में पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास कर रहा था जिसे अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पुछताछ करने पर अन्य साथियों के साथ चोरी करना कबूल किये है आरोपी के बताये जगह से उनके पास रखे थेले से दो लाख 14 हजार 500 रुपये नगद बरामद किया गया। आरोपियों के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर 12 मई को गिरफ्तार किया गया है जिसे न्यायिक रिमांड पर माननीय

न्यायालय पेश किया गया है।उल्लेखनीय है कि मामले के आरोपी सोमरू राम पांडे पूर्व का आरोपी है जो थाना कोर के अपराध क्रमांक 60/22 धारा 498(क), 304(बी) भादवि का आरोपी है एवं अन्य आरोपी शीतल नायक उर्फकांता के विरुद्ध थाना कांकेर मे अपराध क्रमांक 179/13 धारा 13 जुआ एक्ट, अपराध क्रमांक 431/14 धारा 36(सी) आबकारी एक्ट अपराध क्रमांक 103/19 धारा 13 जुआ एक्ट 9 अपराध क्रमांक 293/21 धारा 13 जुआ एक्ट अपराध क्रमांक 156/22 धारा 294, 323, 506, 325, 186, 353, 34 भादवि मे आरोपी है। प्रकरण के विवेचना कार्यवाही मे उप निरी. राम कुमार साव, सजिन भुनेश्वरी भगत, प्र.आर. 203, आरक्षक शक्ति सिंह, शैलेन्द्र सोरी, दुमेश साहू, म.आर. गणेश्वरी कोडोपी, अंजली गौटा का विशेष योगदान रहा।

हाईस्कूल काण्डेकेला का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट

पायनियर संवाददाता < काण्डेकेला
www.dailypioneer.com

गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड के दूरस्थ स्थान में स्थित शासकीय हाईस्कूल काण्डेकेला कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षा 2024 बहुत ही शानदार रहा। जहां तमाम संसाधनों के अभाव में भी विद्यार्थियों ने मेहनत व लगन से हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा में प्रथम स्थान पर शिवा पटेल पिता मनोज पटेल 90.16%, द्वितीय कु. रीता सोनवानी पिता बाला राम सोनवानी 80.33 तथा तृतीय स्थान पर कु. तेजस्वनी मांझी पिता प्रमोद मांझी 77.83 रही। इस वर्ष बालिकाओं का प्रदर्शन बेहद ही उत्साहजनक व



संतोषजनक रहा। परिणाम घोषित होते ही ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों ने बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की। सभी शिक्षकगण विष्णु लाल भेंसले, ओगेश कुमार साहू, हुमेश्वरी कुम्भकार, रोशन कुमार मनहर, यादराम मांझी, वर्मा समेत सभी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन शाखा किरंदुल द्वारा नर्सिंग डे पर किया गया नर्सिंग का सम्मान

पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

एनएमडीसी, श्रमिकों एवं नगरपरिवार के हितों के लिए संदेव कार्यरत मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (ईटक) शाखा किरंदुल द्वारा जनहित में एवं समाज के लिए सेवा, समर्पण से कार्य करने वाले विविध वर्गों जैसे श्रमिकों, शिक्षक, चिकित्सक, नर्सिंग, दिव्यांगों को विविध अवसरों पर सम्मानित किये जाने की परंपरा रही है। इसी कड़ी में एमएमडब्ल्यू यूनियन द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग डे' के अवसर पर एनएमडीसी परियोजना चिकित्सालय एवं शासकीय 30 बिस्तर अस्पताल किरंदुल में कार्यरत नर्सिंग को सम्मानित किया गया। विदित हो कि अपनी सेवा समर्पण और त्याग के लिए विश्व विख्यात नर्स फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिवस



को अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग डे के रूप में मनाया जाता है। अध्यक्ष विनोद कश्यप एवं सचिव ए.के. सिंह के दिशानिर्देशानुसार शासकीय 30 बिस्तर अस्पताल किरंदुल में नर्सिंग को सम्मानित किया गया तथा परियोजना चिकित्सालय में

आयोजित सम्मान समारोह के अवसर पर परियोजना चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज व्ही. लाल, डॉ. अंजू शाह, मेट्रन सिस्टर उर्मिला जार्ज, सहित समस्त नर्सिंग तथा स्टॉफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। मेटल

माइंस वर्कर्स यूनियन (ईटक) की ओर से कार्यालय सचिव राजेन्द्र यादव द्वारा स्वागत उद्घोषण देते हुए ब्रिटिश नर्स एवं समाजसेवी फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जीवनी एवं उनकी सेवाओं के बारे में सारगर्भित प्रकाश डाला गया। वरिष्ठ सदस्य बी एल

तारम ने शुभकामना संदेश देते हुए इस वर्ष की थीम हमारी नर्स-हमारा भविष्य, देखभाल की आर्थिक शक्ति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए नर्सिंग की सेवाभाव और स्वस्थ समाज की परिकल्पना में उनके महत्व पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

परियोजना चिकित्सालय परिवार की ओर से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज वी. लाल एवं स्टॉफ नर्स लक्ष्मी कश्यप ने यूनियन द्वारा सम्मानित किये जाने पर एमएमडब्ल्यू यूनियन का आभार व्यक्त किया। अनिल शार्दूल द्वारा स्वरचित कविता का पाठ किया गया। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष त्रिलोक बांधे तथा आभार व्यक्त संगठन सचिव राकेश लाल द्वारा किया गया। सम्मान समारोह को सफल बनाने में उपाध्यक्ष शादाब जिलान, कोषाध्यक्ष ओम कुमार साहू, जी. रवि, सुधांशु ओझा, सैयद जिया उल हसन, पी. एल. साहू, टीकम साहू, जे.पी. गुना, केसर कोराम सहित यूनियन के पदाधिकारी गण, सदस्यगण तथा परियोजना चिकित्सालय स्टॉफ उपस्थित थे।

श्री जगन्नाथ मंदिर में आयोजित 24 प्रहरी संकीर्तन का हुआ समापन



पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

किरंदुल श्री राघव मंदिर प्रांगण में श्री जगन्नाथ मंदिर की स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा पुरी से पहुंचे पंडाओं द्वारा

विधिवत रूप से की गई। तथा अनुष्ठान के अंतिम दिवस 12 मई रविवार प्रातः 24 प्रहरी संकीर्तन का समापन एवम दही हंडी फेड़ का आयोजन किया गया। जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष



आर सी नाहक ने उक्त आयोजन को सफल बनाने में नगर प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन एवम प्रत्यक्ष अपराध्यक्ष रूप से सहयोग किए सभी नगरवासियों का धन्यवाद साधुवाद

दिया। इस दौरान जगन्नाथ सेवा समिति के सचिव देवराज लेंका, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक मोहंती, विपिन महाराणा, शैलेश रथ, ब्रजेश मिश्रा एवम श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

किरंदुल में रीति रिवाज से रचाई गई गुड्डे और गुड़िया की शादी, नगर पालिका अध्यक्ष हुए शामिल

पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

किरंदुल के वार्ड क्रमांक 02 लक्ष्मणपुर कैप में तीन दिवसीय गुड्डे और गुड़िया के विवाह का आयोजन किया गया। शनिवार संधा किरंदुल नगरपालिका अध्यक्ष मृणाल राय उक्त कार्यक्रम में शामिल हुए। बाता दें छत्तीसगढ़ी परम्परा के अनुसार असल शादी में जो भी रस्मे निभाई जाती हैं उसे इसमें पूरा किया गया। पहले दिन बांस की लकड़ी से मंडप बनाया गया। दूसरे दिन गुड्डे, गुड़िया को हल्दी लगाई गई। इसके बाद सुबह एवं शाम के वक्त बाजे-गाजे बड़ी धूम-धाम के



साथ बारात निकाली गई, जिसमें पुरे लक्ष्मणपुर कैप से रामपुर कैप तक भ्रमण कराया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, पुरुष और

बच्चे शामिल हुए। वहीं गुड्डे और गुड़िया की शादी भी क्षेत्र में खूब सुखियां बटोर रही है। लोग बच्चों के इस आयोजन की सराहना कर रहे हैं

और शादी के बदलते ट्रेंड के बीच पुरानी रस्मों को याद रखने के लिए इस तरह के आयोजन करते रहने की बात कह रहे हैं।

भाई ने खून के रिश्ते को किया कलंकित

बड़े भाई ने की छोटे भाई की निर्मम हत्या

पायनियर संवाददाता < कोण्डगांव
www.dailypioneer.com

मनेशवती मरकाम पति रामलाल मरकाम उम्र 32 वर्ष निवासी खजरावंड स्कूलपारा थाना विश्रामपुरी जिला कोण्डगांव ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 12 मई के सुबह 09 बजे खेत में वह काम कर रही थी उसी दौरान पड़ोसी ने बताई की उसके पति रामलाल और जेट शिव प्रसाद के बीच जमीन संबंधित बात को लेकर लड़ाई झगड़ा हो रहा है तब जाकर देखी तो पति रामलाल मरकाम उसके जेट शिव प्रसाद के घर सामने चित लेटा था सीने में बीचों बीच टंगिया फूस गया था एवम जमीन में खून बहा गया था ,



उसके पति रामलाल मरकाम की उसके बड़े भाई शिवप्रसाद मरकाम द्वारा हत्या करने की नियत से धार

दार टंगिया से सीने में मार कर हत्या कर दिया है की प्रार्थियां के रिपोर्ट पर उसके पति रामलाल



मरकाम को उसके जेट शिव प्रसाद मरकाम कि आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक

29/2024 धारा 302 भादवि का अपराध दर्ज कर मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय कोण्डगांव व अध्यक्ष कुमार के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोण्डगांव रूपेश कुमार डांडे के मार्गदर्शन में एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल भूपत सिंह धनेश्री के पर्यवेक्षण मे जंगल की ओर भागे फरार आरोपी शिवप्रसाद की पता साजी कर पकड़े एवम पुछताछ करने पर आरोपी द्वारा जमीन संबंधी बात को लेकर वाद विवाद होने पर गुस्से में आकर अपने छोटे भाई की टंगिया से मारकर हत्या करना स्वीकार किया जिससे आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया है।

प्रशिक्षणार्थियों और पूर्व सैनिकों ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया



पायनियर संवाददाता < कोण्डगांव
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोण्डगांव के तत्वावधान में कोण्डगांव ब्लॉक, फरसगाँव ब्लॉक और बड़ेराजपुर ब्लॉक में संचालित मिथुलक सैन्य प्रशिक्षण में प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थियों और पूर्व सैनिकों के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया। कोण्डगांव ब्लॉक में बंधा तालाब पार्क के अंदर और बाहर झाड़ू लगाया गया और तालाब में से 18 ट्रेक्टर जलकुंभी को निकाला गया। फरसगाँव ब्लॉक में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के अंदर और बाहर झाड़ू लगा कर साफ सफाई किया गया। बड़ेराजपुर ब्लॉक में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुरी के

मैदान में झाड़ू लगाकर साफ सफाई किया गया। इस अवसर पर कोण्डगांव ब्लॉक में मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेन्द्र पात्रे, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोण्डगांव के सरंक्षक और बस्तर संभागा प्रभारी सुभाष साहू, जिलाध्यक्ष सूरज यादव, कोषाध्यक्ष सोमेश्वर भारती, फरसगाँव ब्लॉक में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद फरसगाँव के ब्लॉक उपाध्यक्ष बलदेव नेताम और ब्लॉक सचिव रिदेश कुंवर, बड़ेराजपुर ब्लॉक में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद बड़ेराजपुर के ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रनाल जैन, ब्लॉक उपाध्यक्ष रूपउ राम, ब्लॉक सचिव संतोष मरकाम, सदस्य राम कुमार मरकाम और मिथुलक सैन्य प्रशिक्षण ले रहे 450 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

सिविल अस्पताल में पिछले 1 सालों से प्रसूति चिकित्सक ही नहीं

सिविल अस्पताल से शहरी ग्रामीण आबादी सहित आसपास के जिले भी अश्रित

पायनियर संवाददाता < भाटापारा
www.dailypioneer.com

जिले का सबसे बड़ा शहर भाटापारा को माना जाता है यहाँ की आबादी आज के तारीख में लगभग 70 हजार के आसपास माना जा सकता है। इसके बीच शहर में आम गरीब मध्यम वर्ग निवास करते हैं जो प्रतिदिन मेहनतकश जिंदगी से जीविकोपार्जन करते हैं व स्वास्थ्यगत चिकित्सा के दृष्टिकोण से सिविल अस्पताल भाटापारा पर निर्भर करते हैं और इससे भी बड़ी अधिक आबादी भाटापारा क्षेत्र सहित आसपास के जिले से लगे हुए लोग भी भाटापारा सिविल अस्पताल पर निर्भर रहते हैं परंतु इस अस्पताल में पिछले 1 सालों से प्रसूति रोग विशेषज्ञ महिला चिकित्सक नहीं होने से गर्भवती महिलाओं व उनके परिजनों को इलाज सम्बन्धी अनेक परेशानियों का सामना करते हुये डिलीवरी हेतु निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ जाता है जहाँ पर डिलीवरी पेशेंट के परिजनों को भारी आर्थिक क्षति वहन करना पड़ता है गरीब वर्ग के लोग आपातकालिक स्थिति में कर्ज लेकर निजी अस्पतालों में डिलीवरी कराने को भी मजबूर हो जाते हैं।

क्या होता है प्रसूति रोग चिकित्सक

प्रसूति रोग विशेषज्ञ एक चिकित्सक होता है जो महिला के गर्भावस्था के दौरान और जन्म देने के बाद बच्चों को जन्म देने और लोगों की देखभाल करने में मदद करता है। वे गर्भावस्था से संबंधित विभिन्न चिकित्सीय स्थितियों का इलाज करते हैं और प्रसव और प्रसव से संबंधित सर्जरी करते हैं। जिससे जच्चा बच्चा दोनों सुरक्षित रह सके परंतु भाटापारा सिविल



अस्पताल में प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं होने से नामल डिलीवरी को छोड़ अन्य प्रकार के डिलीवरी के लिये निजी अस्पतालों में निर्भर रहना पड़ जाता है जिसके कारण आम गरीब मध्यम वर्ग को भारी आर्थिक व मानसिक छति उठाना पड़ता है

साल भर पहले रही प्रसूति चिकित्सक से डिलीवरी सम्बंधित मामलों में थी राहत

साल भर पहले भाटापारा सिविल अस्पताल में कौर मैडम प्रसूति चिकित्सक के रूप में भाटापारा के सिविल अस्पताल में सेवा दे रही थी जिससे बड़े से बड़े

डिलीवरी केस को सहज रूप से हैंडल कर लिया जाता था परंतु ट्रेनिंग के सिलसिले में 6 माह बाहर रहने के बाद पुनः वह प्रसूति चिकित्सक का पद ग्रहण नहीं कर सका जिसके चलते डिलीवरी से सम्बन्धित मामलों को लेकर आम गरीब मध्यम वर्ग के लोगों को भारी परेशानियाँ

उठानी पड़ रही है।

लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में 50 बिस्तर का अस्पताल बनकर तैयार

गौरतलब है की शहरी प्राथमिक केन्द्र के अंतर्गत नवीन 50 बिस्तर का अस्पताल बनकर तैयार है परंतु अभी तक इनका उद्घाटन नहीं हो पाने से रेल्वे फाटक के उस पार रहने वाली शहर के आधी आबादी को इसका फिलहाल लाभ भी नहीं मिल पा रहा है।

सिविल अस्पताल के जमीन का हिस्सा अवैध अतिक्रमण के चपेट में

गौरतलब है की आज के परिवेश में पिछले 20 सालों की तुलना में भाटापारा क्षेत्र की आबादी दोगुनी हो चुकी है जिसके चलते शहर की आवश्यकताएं व जरूरतें भी कई गुणी बढ़ चुकी है इसी कारण भाटापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

से बढ़कर सिविल अस्पताल का दर्जा प्राप्त कर चुका है अस्पताल में सुविधाओं का विस्तारीकरण हेतु जगह की भी कमी पड़ रही है भाटापारा सिविल अस्पताल लगभग 3 एकड़ के क्षेत्रफल में फैला हुआ है वही स्वास्थ्य विभाग की ओर से शासन के पास अनेक योजनाएं भी प्रभावी हैं परंतु इस अस्पताल के आधे एकड़ से अधिक का भू-भाग लम्बे समय से अवैध अतिक्रमण के चपेट में है, जो की राजनीतिक प्रभाव के चलते सिविल अस्पताल की जगह को अतिक्रमण मुक्त भी नहीं कराया जा सका उक्त सम्बंध में पहले राजस्व विभाग के तहसीलदार द्वारा नोटिस भी दिया जा चुका है जिसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा जिसके चलते सुविधाओं के विस्तारीकरण हेतु पर्याप्त जगह के अभाव भी महसूस किया जाता रहा है।

जीवनदीप समिति गठित परंतु सक्रिय नहीं

गौरतलब है कि सिविल अस्पताल में जीवन दीप समिति गठित है जो, अस्पतालों के प्रबंधन को जनभागीदारी से सुधारने एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में परिवर्तन करने के लिए किया जाता है इसका अध्यक्ष क्षेत्र के निर्वाचित विधायक होता है परंतु फिलहाल उक्त मामले में कोई खास सक्रियता सजगता नहीं देखा जा रहा है जिसका लाभ लोगों को मिल सके।

पूर्व में प्रसूति चिकित्सक की नियुक्ति हो चुकी थी परंतु पिछले कुछ समय से पुनः ज्वानिंग नहीं होने से प्रसूति महिला चिकित्सक का पद एक वर्ष से सिविल अस्पताल भाटापारा में रिक्त पड़ा है।

राजेन्द्र माहेश्वरी
विकास खण्ड चिकित्सा अधिकारी



भंवरपुर। विगत दिनों सरस्वती शिशु मंदिर भंवरपुर द्वारा स्थानीय परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस दौरान प्राचार्य सहित आचार्य एवं दीदीयों सहित समिति सदस्य गण उपस्थित रहे।



महासमुंद/नर्रा। ग्राम परसुली में अक्षय तृतीया एवं अन्ती पर्व पर बच्चों ने चौराहे पर रचाया गुड्डे-गुड्डियों का विवाह। वहाँ के सरपंच मोतीन आनंद चक्रधारी पंच परमेशवर बृजलाल पटेल ग्रामीण हूमन पटेल नेताराम पांडे गोकुल पांडे पुरन पटेल सहित ग्रामीण बराती में सहभागी बने।

पेयजल संकट को देखते हुए विधायक चातुरी नंद ने किया अनुकरणीय पहल



पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

अंचल में पेयजल के संकट को देखते हुए अब विधायक स्वयं उसके निदान हेतु सामने आ गई हैं। उन्होंने एक अनुकरणीय पहल करते हुए ग्राम गम्हारडीह, दिवानपाली और चनाट में अपने निजी मद से अपने समुद्र स्व. रामलाल नंद की स्मृति में पानी टैंकर प्रदान किया है। टैंकर वितरण के दौरान विधायक की सासुमां गंगा बाई नंद, विधायक पति डीप्रिलाल नंद विशेष रूप से मौजूद रहे। विधायक नंद ने इस संबंध में

जानकारी देते हुए बताया कि सरायपाली अंचल के 50 से अधिक गांवों में पानी की भारी समस्या है, जिसके निदान हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा है।

इसी कड़ी में उन्होंने अपने स्वयं के निधि से उनके समुद्र की स्मृति में 3 पानी टैंकर ग्राम पंचायतों को दान किए हैं, जिनका उपयोग आस पास के गांवों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए किया जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य शुष्क क्षेत्रों के सभी गांवों में पेयजल समस्या के निदान हेतु पानी टैंकर

उपलब्ध कराना है। ज्ञात हो कि सरायपाली क्षेत्र के दर्जनों गांवों में पानी की भीषण समस्या है। जल स्तर इतना नीचे गिर चुका है कि 1000 फीट नीचे भी पानी नहीं है। गर्मी के दिनों में पानी की समस्या अधिक बढ़ जाती है। पेयजल संकट को दूर करने विधायक के इस पहल से ग्रामीणों में हर्ष है। टैंकर वितरण के दौरान ग्राम पंचायत गम्हारडीह के सरपंच प्रतिनिधि शिवानंद, जनपद सदस्य प्रतिनिधि क्षमानिधि साहू, दिवानपाली सरपंच प्रतिनिधि अशोक मिरी, चनाट सरपंच प्रतिनिधि रमेश पटेल, जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्य तन्मय पंडा, पार्षद सुरेश भोई, युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष भरत मेथ्राम, पद्मलोचन पटेल, करण पटेल, जयंत यादव, नरेश प्रधान, महेश चौधरी, भगवान्, कुंडा नायक, महादेव भोई, सौकीलाल बाब, जन्मो नायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

फुलझर परिक्षेत्र बंजारा समाज का बसना धर्मशाला में हुई बैठक



पायनियर संवाददाता < भंवरपुर
www.dailypioneer.com

फुलझर परिक्षेत्र बंजारा समाज बसना धर्मशाला में फुलझर क्षेत्र के वार्षिक बैठक हेतु कार्यकारिणी बैठक रखा गया। जिसके अध्यक्षता फुलझर क्षेत्र के अध्यक्ष उदल सिंह बंजारा थे। बैठक में बताया गया है कि 1 जून 2024 को फुलझर बंजारा समाज का वार्षिक सम्मेलन ग्राम डोंगरी पाली में सम्पन्न होगा। इस कार्यक्रम को आकर्षक बनाने के लिए बंजारा

समाज द्वारा फुग लड़ी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को भी शामिल किया गया है ताकि हमारे संस्कृति का अनुसरण भावी समाज करते रहे। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने उपस्थित सभी सामाजिक बन्धुओं ने सहमति देते हुए हर संभव सहयोग करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर फुलझर क्षेत्र बंजारा समाज के पदाधिकारी गण एवं वरिष्ठ समाज सेवी गण एवं सामाजिक बन्धु गण उपस्थित थे।

कैरियर बनाने के लिये विषय चयन के परामर्श से संतुष्ट हुये विद्यार्थी

11 मई को हेल्प लाईन नम्बर पर 185 फोन कॉल्स आये जिनका निराकरण किया गया

पायनियर संवाददाता < धमतरी
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर की अध्यक्ष रेणु जी पिछले के संरक्षण में एवं सचिव पुष्पा साहू के आदेशानुसार हेल्पलाइन नम्बर 18002334363 संचालित है। विद्यार्थियों के मन में परीक्षा परिणाम के बाद तनाव के प्रबंधन, कैरियर,विषय चयन संबंधी मार्गदर्शन के लिए 11 मई 2024 को मनोवैज्ञानिक, कैरियर काउंसलर डॉ. मोनिका साहू, उपसचिव जेके अग्रवाल के मार्गदर्शन, हेल्पलाइन नोडल अधिकारी डॉ प्रदीप कुमार साहू सहायक प्राध्यापक सिरिज पॉल, अशुभन कसेर द्वारा परीक्षार्थियों, अभिभावकों में परीक्षा परिणाम के बाद उनके मन में आने वाले विभिन्न प्रकार के प्रश्नों, समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। आज हेल्पलाइन में विभिन्न जिलों से पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी चाही गई, मूल्यांकित उत्तरपुस्तिका की छायाप्रति कितने दिवस में प्राप्त होगी। मैं श्रेणी सुधार करना चाहता हूँ तो कब अवसर मुझे मिलेगा? पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन में क्या अंतर है ? के बारे में जानकारी लेना चाहता हूँ, दुर्ग जिले की छात्रा निकिता वर्मा ने यूपीएससी की तैयारी करना चाहती हूँ। कक्षा 12 वीं



में गणित विषय लेकर उत्तीर्ण हुई हूँ, आगे स्नातक की पढाई कोन से विषय लेकर पढूँ? रायपुर जिले के छात्र हरिओम ने कहा कि आगे साफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहता हूँ, कक्षा 11 वीं में कौन सा विषय लेकर पढाई करूँ? पुनर्मूल्यांकन करवाने से नंबर कम तो नहीं हो जायेंगे। पूरक परीक्षा का परीक्षा फर्म कब से भरा जायेगा? तीन विषयों में अनुत्तीर्ण हो गया हूँ क्या करूँ? वर्ष में दो बार परीक्षा इस वर्ष होगा क्या? मैं चार विषयों में अनुत्तीर्ण हो गया हूँ क्रेडिट योजना से परीक्षा दे सकता हूँ? अवसर परीक्षा पूरक परीक्षा के साथ ही होती है क्या? अवसर परीक्षा कब तक होगा। पूरक परीक्षा कब होगा? पुनर्मूल्यांकन का परीक्षा परिणाम कब आयेगा? कोरबा जिले की छात्रा रीना यादवा ने डाऊट क्लियर हुआ थैक्यू हेल्पलाइन जैसे विभिन्न प्रश्न पूछे गये। मण्डल के हेल्पलाइन नम्बर पर कुल 185 फोन कॉल्स आये।

अक्षय तृतीया पर ठाकुर देव की पूजा अर्चना कर खेती किसानों का काम शुरू

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

अक्षय तृतीया पर गांवों में किसानों ने नीम पेड़ के नीचे विराजित ठाकुर देवता में दोने में धान, हल्दी, तेल आदि ले जाकर चढ़ाया और बचे हुए धान को खेतों में ले जाकर बो दिया है चूँकि आज के ही दिन खेती बाड़ी का काम शुरू हो जाता है। इसलिए गांवों में आज का दिन विशेष होता है। खेत की साफ सफाई की जाती है। इस दिन विशेष रूप से ठाकुर देव की पूजा पाठ की जाती है। आज के

दिन सभी काम गांव में ठाकुर देव की पूजा के बाद ही किया जाता है। यहां तक की पीने के लिए पानी भी ठाकुर देव की पूजा के बाद ही भरा जाता है। इस संबंध में ग्राम तोषगांव के जागरूक किसान विद्याभूषण सतपथी ने जानकारी देते हुये बताया कि बरसों से चली आ रही परम्परा अनुसार ठाकुर देव में परसा पलाश के पत्तों से बने दोना में धान भरकर उसे अर्पित किया जाता है। यह ठाकुर देव को भोग है। सभी घरों से भोग के लिए ठाकुर देव में अर्पित दोनों



की धान को नई टोकरी में मिलाते हैं। पश्चात कृषि कार्य से संबंधित जैसे बुआई, निंदाई, गुडई, मिंजाई आदि का सांकेतिक रूप में ठाकुर देव के समक्ष किया जाता है। इसी भोग लगे के लिए ठाकुर देव की पूजा की जाती है।

आवाहन पूजन के दौरान गांव के युवा खेतों में नागर का प्रतिरूप चलाते हुए, सामूहिक रूप से सहाइ देवता की पूजा कर अच्छे फसल की कामना की। किसानों का प्रमुख तयौहर अक्ती आज है। किसान

ठाकुरदेव को दोना चढ़ाकर धान बोने की शुरुआत कर चुके हैं। इस तरह से किसानों और किसानों का काम शुरू हो गया है। ग्रामीण अंचलों में आज के दिन ग्राम के प्रमुख ठाकुरदेव की पूजा नहीं की जाती, तब तक सारा काम बंद रखा जाता है। पहट में बैगा द्वारा सभी देवी देवताओं में पूजा-अर्चना की जाती पश्चात गांव के किसान ठाकुरदेव में दोना अर्पण करने पहुंचते हैं। अक्ती के दिन से ही नए दोना के रूप में परसा और अन्य

पत्तों से तैयार कर ठाकुरदेव को धान अर्पण किया जाता है। ठाकुरदेव के समक्ष किसानों द्वारा लाए गए धान को रखकर बोनी से लेकर मिसाई तक की सभी प्रक्रिया बैगा द्वारा की जाती है। पीपल के पते से बैल नागर बनाकर पूजा अर्चना करने के बाद किसानों को बोनी की शुरुआत करने धान बीज दिया जाता है जिसे किसान अपने खेतों में जाकर बोनी की शुरुआत करते हैं। इसे छत्तीसगढ़ी भाषा में मुठी लेना कहते हैं। किसान खेतों में पहुंचकर धरती माता के पूजा

अर्चना कर बोनी की शुरुआत कर खुशहाली की कामना करते हैं। यह परंपरा वर्षों से चला रहा है। कहा जाता है कि पूर्व में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की पहुंच नहीं थी और खरीफ सीजन को ही प्रमुख मानकर खेती की तैयारी शुरू करते थे। अक्ती के बाद से ही खेतों में गोबर खाद डालने का काम शुरू हो जाता था। इसलिए अक्ती पर्व का किसानों के लिए ग्रामीण अंचलों में आज भी खासा महत्व है और परंपरा का निर्वह किसान करते आ रहे हैं।



28 साल से टीवी इंडस्ट्री में एक्टिव हैं मौली गांगुली

टेलीविजन एक्ट्रेस मौली गांगुली इन दिनों सौरभ जननी- AI की कहानी में नजर आ रही हैं। पिछले 28 साल में एक्ट्रेस कहीं किसी रोज, कुसुम, नच बलिए, सूर्यपुत्र कर्ण जैसे कई हिट शो में काम कर चुकी हैं। हालांकि, उनकी मानें तो टेलीविजन का आज का दौर काफी चिंताजनक है। इंटरव्यू में मौली ने बताया कि कैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म की वजह से टीवी का चार्म धीरे-धीरे खत्म होते जा रहा है। कई मेकर्स को शो शुरू होने के कुछ ही महीने बाद उसे बंद कर पड़ रहा है। बातचीत के दौरान, उन्होंने अपने करियर में बॉलीवुड फिल्मों टुकड़ाने के पीछे की वजह भी बताई।

कॉम्पिटिशन बहुत बढ़ गया है ऑडियंस अब पूरी तरह से डिवाइड हो चुकी है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी कई अलग-अलग चैनल हैं। जो टेलीविजन के ऑडियंस थे, उसमें से ज्यादातर ने ओटीटी का रुख कर लिया है। कॉम्पिटिशन बहुत बढ़ गया है। एक वक्त था जब टेलीविजन का अपना चार्म था। घर-घर में टीवी शो चला करते थे, लेकिन अब ये चार्म धीरे-धीरे खत्म हो रहा है जो कि चिंताजनक भी है।

मेकर्स कुछ बदलाव लाने का सोचें, इससे पहले ही शो बंद हो जाता है आजकल लोगों में पेशेस बहुत कम हो गया है। रील्स की दुनिया में लोग इंतजार करना ही नहीं चाहते। उनमें पेशेस बिलकुल नहीं है। हमारे शो कहीं किसी रोज के शुरूआती 3 महीने तो, ऑडियंस ने शो के जॉनर को समझने में ही लगा दिए थे। इस दौरान, वे ये जानना चाहते थे कि हमारा शो थ्रिलर है या हॉरर। 3 महीने बाद, शो विलक हुआ। आज के दौर में, 3 की रेटिंग भी बड़ी मानी जाती है। दुर्भाग्यवश, अब दर्शक अपना वक्त नहीं देते। मेकर्स कुछ बदलाव लाने का सोचें इससे पहले ही शो बंद हो जाता है।

फिल्मों की दुनिया में बिल्कुल फिट नहीं बैठती शुरुआत में मुझे फिल्मों के ऑफर्स आए थे, लेकिन बॉलीवुड एक अलग दुनिया है। साथ ही कपड़े, स्क्रिप्ट, शिफ्ट्स आदि को लेकर कई रिजर्वेशन भी थे। वहीं, टेलीविजन में मैं अपने हिसाब से काम चूना सकती हूँ। कुल मिलाकर, मैं फिल्मों की दुनिया में बिलकुल फिट नहीं बैठती।

कहीं किसी रोज के सीकल के बारे में सुना, लेकिन... हाल ही में मैंने सुना कि हमारे शो कहीं किसी रोज का सीकल आने वाला है। हालांकि, सच ये है कि इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं। यदि ऐसा होता है तो बहुत अच्छी खबर होगी। जाहिर है, लीड रोल हम तो बिल्कुल नहीं निभा पाएंगे। नई कास्ट के साथ ही ये शो बंद पाएगा।



बैड न्यूज में शामिल हुई अनन्या पांडे, मेहमान भूमिका में आएंगी नजर

लम्बे समय से आदित्य राय कपूर के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चाओं में रही अभिनेता चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे दर्शकों के सामने अपनी पिछली फिल्म खो गए हम कहीं में नजर आई थीं। इस फिल्म को सीधे ओटीटी पर प्रदर्शित किया गया था। दर्शकों ने इस फिल्म को खास पसन्द किया था, विशेष रूप से युवाओं ने। अब अनन्या पांडे एक बार फिर से चर्चाओं में हैं। एक तो वह आदित्य के साथ अपने ब्रेकअप को लेकर चर्चा पा रही हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें करण जोहर ने अपनी अगली फिल्म बैड न्यूज में मेहमान भूमिका निभाने के लिए साइन किया है। इस फिल्म में विकी कौशल और तुषि डिमरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। विकी कौशल और तुषि डिमरी के फैन उनकी फिल्म 'बैड न्यूज' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। विकी की पिछली फिल्म 'सिम बहादुर' और तुषि की 'एनिमल' थी। खास बात ये है कि दोनों फिल्में पिछले साल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। बहरहाल 'बैड न्यूज' को लेकर नई अपडेट ये है कि इस फिल्म से एक्ट्रेस अनन्या पांडे भी जुड़ गई हैं। इसके साथ ही अनन्या के किरदार से भी पर्दा उठ चुका है। ई-टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में अनन्या मेहमान भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग पहले ही पूरी कर ली है। अनन्या एक लोकप्रिय फिल्म स्टार की भूमिका निभाएंगी। उनका किरदार कहानी में टिवस्ट लापगा। पंजाबी गायक एमी विर्क भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। फिल्म 19 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म के निर्देशक आनंद तिवारी और प्रोड्यूसर करण जोहर हैं। अनन्या की बात करें तो उनकी पिछली फिल्म खो गए हम कहाँ थी। इन दिनों वह कंट्रोल की शूटिंग में बिजी हैं।

नोरा के नारीवाद को बकवास कहने वाले कमेंट पर भड़की ऋचा

ऋचा चड्ढा संजय लीला भंसाली की फिल्म हीरामंडी- द डायमंड बाजार में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं। अभिनेता ने नेटपिलक्स सीरीज में लज्जो का किरदार निभाया है। कम स्क्रीन टाइमिंग के बावजूद अभिनेत्री दर्शकों के बीच अपनी अमिट छाप छोड़ने में कामयाब रही हैं। अब हाल ही में ऋचा ने एक इंटरव्यू में नोरा के महिला सशक्तिकरण वाले बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। एक नए साक्षात्कार में, जब ऋचा से नोरा फतेही की महिला सशक्तिकरण को लेकर हालिया टिप्पणी के बारे में पूछा गया, जहाँ उन्होंने कहा था कि महिलाएं पालन-पोषण करने वाली होनी चाहिए। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि वह इस बात से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। ऋचा का मानना है कि महिलाओं को यह बताने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। ऋचा ने कहा, नारीवाद के बारे में अच्छी बात यह है कि यह उन लोगों को स्वीकार करता है, जो नारीवाद के लाभ चाहते हैं, लेकिन नारीवादी होने से इनकार करते हैं। नारीवाद की वजह से ही कोई महिला अपना करियर बना पाती है, चुन पाती है, जो मन चाहे वह पहन पाती है, वह काम करती है, जहाँ वह स्वतंत्र होना चाहती है। इसलिए महिलाओं के यह बताना की उन्हें क्या करना चाहिए, यह काफी गलत है। ऋचा ने आगे कहा, सभी भूमिकाओं को लिंग भूमिकाओं के रूप में नहीं, बल्कि उन्हें एक इंसान के रूप में परिभाषित करना चाहिए। मैं इस बात से पूरी तरह सहमत नहीं हूँ कि महिलाओं को ऐसा ही होना चाहिए और नारीवाद सच में



बकवास है। मुझे यह सोचकर भी अजीब सा लग रहा है कि लोग ऐसे भी बयान देते हैं। यह सब तब शुरू हुआ जब नोरा फतेही ने एक शो में कहा था, नारीवाद। मैं इस बकवास पर विश्वास नहीं करती। असल में, मुझे लगता है, नारीवाद ने हमारे समाज को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है...नारीवाद युग ने अब बहुत से पुरुषों का भी ब्रेनवॉश कर दिया है।

संजय लीला भंसाली की सादगी पर फिदा हैं मनीषा

अभिनेत्री मनीषा कोइराला इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। वे संजय लीला भंसाली के भव्य शो हीरामंडी में मलिकाजान की भूमिका में नजर आ रही हैं। दर्शकों को इस शो में उनका किरदार काफी पसंद आ रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान मनीषा अपनी फिल्म खामोशी- द म्यूजिकल के बारे में बातें करती नजर आईं। इस फिल्म का निर्देशन भी संजय लीला भंसाली ने ही किया था।

संजय हैं सादादिल इंसान

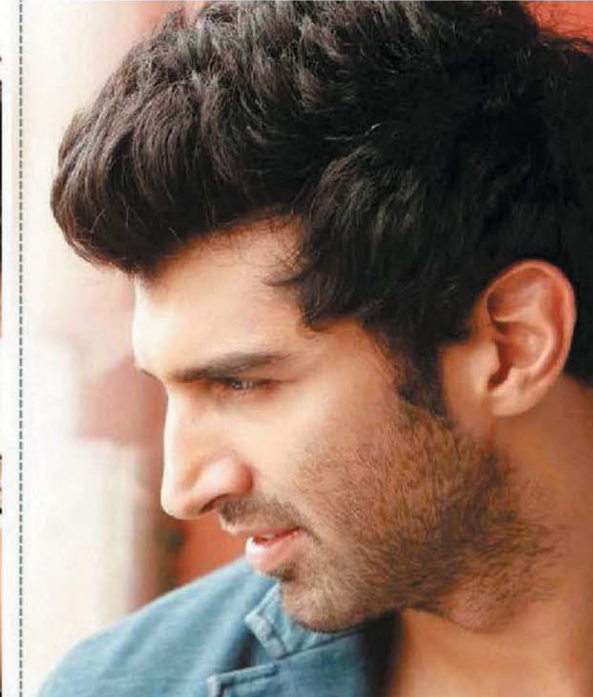
मनीषा कोइराला ने कई साल बाद एक बार फिर से संजय लीला भंसाली के साथ हीरामंडी में काम किया है। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें निर्देशक में कुछ बदलाव महसूस होता है क्या। इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, उनके आसपास और उनके लिए बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन वे अब भी वैसे ही हैं। संजय जरा भी नहीं बदले हैं। उनमें एक सादगी जो खामोशी के वक्त मैंने महसूस किया था वो आज भी है। जब मनीषा कोइराला से संजय लीला भंसाली के गुरुस्वभाव के बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा, पहले ये बताइए गुरुसा किसे नहीं आता। मुझे आता है और मैं करती हूँ। हम सब इंसान हैं। पता है दिक्रत क्या है हम मान लेते हैं कि जो मशहूर हैं वे गुरुसा नहीं कर सकते हैं। उन्हें परफेक्ट होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं होता है। गुरुसा, हंसना-रोना सब इंसान होने की निशानी है और संजय भी इंसान हैं।



जॉन-बिपाशा के साथ अपने रिश्तों पर बोले डीनो

अभिनेता डीनो मोरिया का जब भी जिक्र होता है उनके साथ जॉन अब्राहम और बिपाशा बसु का भी नाम आ ही जाता है। ऐसा माना जाता था कि जॉन और डीनो मोरिया के बीच में बिपाशा को लेकर प्रतिद्वंद्विता थी, लेकिन पिछले दिनों डीनो इस विषय पर खुलकर बातें करते नजर आए। उन्होंने वर्षों पुरानी गलतफहमी को सबके सामने साफ कर दिया। आइए आपको बताते हैं डीनो मोरिया ने अपने और जॉन के रिश्ते को लेकर क्या कुछ कहा है। डीनो मोरिया और जॉन अब्राहम ने मॉडलिंग से फिल्मों की ओर एक साथ रुख किया था। हाल ही

में एक इंटरव्यू के दौरान जब डीनो से उनके और जॉन के रिश्तों के बारे में सवाल किया गया तब वे बोले, सबसे पहले तो मैं एक चीज साफ कर देना चाहता हूँ कि कभी भी जॉन को लेकर मेरे मन में प्रतिद्वंद्विता नहीं थी। हम तब भी दोस्त थे और आज भी हैं। पिछले दिनों मैंने उसे कॉल किया था कि साथ में ड्राइव पर चलते हैं। डीनो मोरिया आगे कहते हैं, लोगों को लगने लगा था कि उनकी वजह से बिपाशा से मेरा ब्रेकअप हो गया है, लेकिन यह सच नहीं था। जॉन के आने से काफी पहले हमारा रिश्ता खत्म हो चुका था।



अनन्या से ब्रेकअप के महीने भर बाद सारा अली खान से जुड़ा आदित्य राय कपूर का दिल?



बॉलीवुड के गपशप गलियायों में अटकलें चल रही हैं कि एक्टर आदित्य राय कपूर और सारा अली खान शहर के सबसे हॉट नए जोड़े हो सकते हैं। नए सिंगल हक को उनके डायरेक्टर अनुराग बसु के बर्थडे पर सारा अली खान के साथ देखा गया था, जो फिल्म मेट्रो... इन दिनों में उनकी को-स्टार भी हैं। निर्देशक बुधवार को अपना बर्थडे मना रहे थे और उन्होंने अपना खास दिन अपने कुछ करीबी दोस्तों के साथ मनाया, जिनमें उनकी आगामी फिल्म के लीड एक्टर्स भी शामिल थे। पार्टी से एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें डायरेक्टर अपने मेहमानों को जन्मदिन का केक देने के लिए उनके पास पहुंचते दिख रहे हैं। दोनों के वहां एक साथ होने से उनके कथित अफेयर के बारे में अटकलें तेज हो रही हैं। जबकि कुछ का मानना है कि दोनों सिर्फ एक फिल्म के लिए साथ हो सकते हैं, दूसरों ने यह कहते हुए इसे खारिज कर दिया कि वे सिर्फ को-एक्टर्स हैं।

मेट्रो इन दिनों की कास्ट

एक फैन ने कहा, वे मेट्रो 2 को एक साथ फिल्मा रहे हैं। यह करण के शो में अनन्या वाले एपिसोड के साथ भी सामने आया था। स्टूडिओ सारा अली खान और आदित्य राय कपूर अनुराग बसु की आगामी फिल्म मेट्रो... इन दिनों में ऑन-स्क्रीन कपल का रोल करेंगे, जो अब 13 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी। यह फिल्म अनुराग बसु की 2007 की फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो का सीकल है। मेट्रो इन दिनों में अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कांकणा सेनशर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख जैसे कलाकार शामिल होंगे।

अनन्या पांडे के साथ ब्रेकअप

मेट्रो... इन दिनों पहले दिसंबर 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे 29 मार्च, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। बता दें कि जो विलप वायरल हुई है उसमें एक तरफ दो खड़े लोग आदित्य और सारा बताए जा रहे हैं। विलप में निर्देशक को आदि के मुंह में केक फेंकने का इशारा करते हुए भी देखा जा सकता है। दूसरी तरफ, आदित्य ने कथित तौर पर अनन्या पांडे के साथ अपना 2 साल का रिश्ता खत्म कर दिया है। दूसरी ओर, सारा अपने रोमांस के बारे में बढती दिलचस्पी के बाद अपनी लव लाइफ को सीक्रेट रख रही हैं।



'आवेशम' के डॉन फहद फाजिल करेंगे हिंदी फिल्मों का रुख!

मलयालम फिल्म अभिनेता फहद फाजिल भारतीय सिनेमा के बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'आवेशम' को काफी पसंद किया गया। इस फिल्म में उन्होंने एक गुंडे का किरदार निभाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'आवेशम' इस साल आठवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म है। अब एक साक्षात्कार में फहद ने हिंदी सिनेमा में काम करने की इच्छा जाहिर की है।

5 साल पहले मिला था हिंदी फिल्म का ऑफर

फहद फाजिल मलयालम के अलावा तमिल और तेलुगु सिनेमा में भी अपना हाथ आजमा चुके हैं। उन्होंने अभी तक एक भी हिंदी फिल्म नहीं की है। हाल ही में, दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि लगभग पांच-छह साल पहले एक बार विशाल भारद्वाज ने उनसे बॉलीवुड फिल्म के लिए संपर्क किया था। हालांकि, कुछ कारणों की वजह से बात नहीं बन पाई। बातचीत के दौरान अभिनेता ने कहा, 'मेरे पास हिंदी फिल्म की जो पहली स्क्रिप्ट आई थी। मैंने उसके लिए हां कह दिया था। यह

पांच-छह साल पहले की बात है। विशाल भारद्वाज उसे सही जगह नहीं रख सके। आखिरकार उन्हें वह फिल्म किसी और अभिनेता के साथ करनी पड़ी और तब तक मैं आगे बढ़ चुका था।'

हिंदी फिल्में करने की जताई इच्छा

साक्षात्कार के दौरान जब फहद फाजिल से पूछा गया कि क्या वह कभी हिंदी फिल्में करेंगे? इस पर अभिनेता ने कहा, 'मैं बहुत कम हिंदी समझता हूँ। इसलिए मुझे फिल्म में किसी दक्षिण भारतीय की भूमिका निभानी होगी। मैं हिंदी फिल्में करने के लिए तैयार हूँ। मैंने तेलुगु फिल्में की हैं, तमिल फिल्मों की हैं। इसलिए मैं हिंदी फिल्मों भी करना चाहता हूँ, लेकिन मुझे नहीं पता मैं ये कब करूंगा।' अभिनेता ने बातचीत के दौरान साझा किया कि बॉलीवुड के निर्देशक और निर्माता करण जोहर सहित बॉलीवुड के कई अभिनेताओं के साथ उनके दोस्ताना रिश्ते हैं। उन्होंने कहा कि केजेओ अवसर उनकी फिल्मों देखने के बाद उन्हें फोन करते हैं।

भाभी जी की छोटे पर्दे पर होगी वापसी, इस शो में आएंगी नजर!

छोटे पर्दे की भाभी जी यानी शिल्पा शिंदे लंबे वक्त से पर्दे से दूरी बनाए हुए हैं। खबर आ रही है कि वह खतरों के खिलाड़ी 14 का हिस्सा हो सकती हैं। झलक दिखला जा 10 के दौरान चैनल के साथ उनका कुछ झगड़ा हो गया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर जज करण जोहर और नोरा फतेही की आलोचना की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करीब दो साल बाद शिल्पा का चैनल के साथ विवाद खत्म हो गया है। वहीं, खतरों के खिलाड़ी 14 इन दिनों खूब सुर्खियों में बना हुआ है।





गर्मियों में गैस ने बिगाड़ दी हालत? तुरंत राहत देंगे डॉक्टर के 6 नुस्खे

गर्मियों में गैस, एसिडिटी और पेट में तेजाब बनने की समस्या बढ़ जाती है, पेट को हल्का रखने और पाचन को बेहतर बनाने के लिए आपको डॉक्टर द्वारा बताई इन चीजों का सेवन करना चाहिए।

गर्मियों का मौसम जारी है और इस मौसम में बहुत से लोगों को कम भूख लगती है। इतना ही नहीं, इन दिनों बहुत से लोग गैस, एसिडिटी और ब्लॉटिंग से परेशान रहते हैं। जाहिर है चिलचिलाती गर्मी, पसीना, तेज धूप पाचन सिस्टम को बिगाड़ कर रख देते हैं। अक्सर देखा गया है कि गर्मियों में खाना कम खाते हैं और पानी या तरल पदार्थों का अधिक सेवन करते हैं। अक्सर देखा गया है कि इस सीजन में सीने में भयंकर तेजाब बनता है, खाली-पिया जल्दी हजम नहीं होता है, खुलकर डकार नहीं आती है। क्या आपको भी इन दिनों पेट भरा-भरा होने की शिकायत होती है, क्या आप गैस या एसिडिटी की समस्या से परेशान रहते हैं? अगर हां, तो आप सही जगह आए हैं। डॉक्टर शुभी राज आपको ऐसे कई घरेलू उपचार बता रही हैं, जो एसिड रिपलवस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

अदरक
अदरक में एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जो एसिड रिपलवस के लक्षणों को दूर करने में मदद कर सकते हैं। पेट और आंत की

समस्याओं से राहत पाने के लिए अदरक का सेवन विभिन्न रूपों में कर सकते हैं जैसे अदरक की चाय या जिंजर कैडी।

अनानास
अगर आपको खाना जल्दी नहीं पचता है, तो आपको अनानास का सेवन जरूर करना चाहिए। इस फल में ब्रोमेलैन नामक तत्व होता है, जो प्रोटीन को पचाने वाले एंजाइमों का एक संयोजन है। यह पेट को दुरुस्त रखता है।

एवाकाडो
इस फल में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है और यही वजह है कि पेट और आंतों में जमा अपशिष्ट यानी गंदगी को खत्म करने और साफ करने का काम करता है।

सौंफ के बीज
सौंफ के बीज पाचक रस और एंजाइम के उत्पादन को बढ़ावा देकर पाचन को मजबूत और दुरुस्त करते हैं। यह भोजन को तोड़ने और एसिड रिपलवस को रोकने में भी सहायक है।

खीरा
गर्मियों के लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन खीरा है। खीरे में पानी की मात्रा अधिक होती है और यह प्रकृति में क्षारीय होता है, जो पेट के एसिड को बेअसर करने और एसिडिटी को कम करने में मदद कर सकता है।

कैमोमाइल टी
कैमोमाइल टी में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जो एसिड रिपलवस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं। सोने से पहले एक कप कैमोमाइल चाय पिएं। इससे आपको पेट की दिक्कतों से आराम मिलेगा।



लीची कुछ लोगों के लिए क्यों बन जाती है जानलेवा?

लीची हेल्थ के लिए काफी अच्छी होती है लेकिन खरीदने में सावधानी न बरती तो टॉक्सिक भी हो सकती है। लीची खरीदने और खाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, यहाँ जानें...

बाजार में सजी खूबसूरत लीची हर किसी को आकर्षित करती है। लीची खाने में टेस्टी होती है और हेल्थ के लिए भी बहुत अच्छी होती है। हालांकि लीची खरीदने और इन्हें स्टोर करने में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। कुछ साल पहले बिहार में कई बच्चों की मौत की खबर आई थी। लोकल परिया में इसकी वजह चमकी नाम के एक बुखार को बताया जा रहा था। बाद में एक्सपर्ट्स ने बताया था कि लीची के टॉक्सिन की वजह से बच्चों को अवयुट इनसेफेलाइटिस सिंड्रोम हो गया था।

कम से कम 1 इंच हो डायमीटर
लीची देखने में प्यारा और खूबसूरत फल है जो कि नॉर्थ इंडिया में काफी

कम समय के लिए आता है। गर्मी से बरसात के बीच आपको मार्केट में ढेर सारी लीचियां दिख जाएंगी। इन्हें खरीदने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें जैसे हमेशा पकी लीची लें। कच्ची लीची हरी रसी दिखती है। इनमें टॉक्सिन होते हैं। लीची रेड, पिंक या ऑरेंज कलर की ही लें। साथ ही ऐसी लीची खरीदें जो कि साइज में छोटी न हों। पकी लीची में आपको अच्छी खुशबू आएगी और दबाने पर सॉफ्ट लगेंगी।

न लें पकी लीची
अमल लीची चटकी है या इससे रस निकल रहा है या धब्बे हैं तो न लें। यह ज्यादा पकी होगी और सड़ने या अंदर कीड़े निकलने के चांस भी हो सकते हैं। डाक ब्राउन कलर की लीची भी न लें ये ज्यादा पकी हो सकती है। लीची टिप पर हमेशा चेक करके खाएं इसमें गूदे के कलर के कीड़े भी होते हैं। टॉक्सिन से जा सकती है जान एक्सपर्ट्स का मानना है कि लीची की टॉक्सिन खाली पेट ज्यादा नुकसान करते हैं। अगर पोषक तत्वों की कमी से बॉडी शुगर लो है तो इसमें पाया जाने वाला मेथाइलीन सावलोप्रोपिल ग्लाइसीन केमिकल दिमाग को प्रभावित करता है।



चाय लवर्स को मसाला चाय बेहद पसंद होती है। क्या आपने व्हाइट टी के बारे में सुना है? इस चाय की पतियों को किसी हीट ड्रायर से नहीं सुखाया जाता, बल्कि प्राकृतिक रूप से सुखाया जाता है।

चाय लवर्स को मसाला चाय बेहद पसंद होती है। आपने कई तरह की चाय ट्राई की होगी लेकिन क्या आपने व्हाइट टी पी है? आपने इसके बारे में सुना तो जरूर होगा कि व्हाइट टी बहुत ही महंगी होती है। आइए, जानते हैं कि व्हाइट टी क्या है और क्यों होती है यह इतनी महंगी?

व्हाइट टी क्या है?
चाय के पौधे, कैमेलिया सिनेंसिस की नई पतियाँ और कलियों को सही सफेद चाय बनाने के लिए सुखाया जाता है। यह चाय चीन से निकलती है और अब भारत में भी काफी पोप्युलर हो रही है। इस पौधे की कलियों को शुरुआत में ही तोड़ा जाता है, जहाँ वे अभी भी बालों की तरह सफेद पंख से ढके रहते हैं और इस कारण इसका नाम व्हाइट टी है। जल्दी तोड़े जाने की वजह से पतियाँ और कलियों को ऑक्सीकृत होने का मौका

व्हाइट टी क्या है और क्यों होती है यह चाय इतनी महंगी?

नहीं मिलता है क्योंकि जब वे तोड़ते हैं तो वे हवा में सूख जाते हैं, जिससे सफेद चाय कैमेलिया सिनेंसिस पौधे से बनी दूसरी सभी चायों में सबसे ताजी किस्म की चाय मानी जाती है। पतियों को किसी हीट ड्रायर से नहीं सुखाया जाता बल्कि इन्हें सूखने के लिए प्राकृतिक रूप से छोड़ दिया जाता है। जीरो ऑक्सीडेशन होने की वजह से यह बहुत हेल्दी होती है।

सिल्वर व्हाइट टी और बाकी किस्में
सिल्वर नीडल चाय चीन में उगाई जाने वाली सफेद चाय की सबसे प्रीमियम किस्म में से एक है। यह सफेद बालों से ढकी बड़ी कलियों से बनाई जाती है और इसलिए इसे सिल्वर व्हाइट टी कहा जाता है। चांदी की सुई वाली चाय डाइजेसन सिस्टम के लिए बहुत अच्छी होती है। हार्ट बर्न, एसिडिटी और ऐंजन में यह चाय बहुत फायदेमंद है। इसी तरह व्हाइट चाय में ही चाय की



एस्ट्रोजेन असंतुलन को नियंत्रित करते हैं सूरजमुखी के बीज

आज ज्यादातर लोग मोटापे और होर्मोनल इम्बेलेन्स जैसी समस्याओं से परेशान हैं। जिसकी मुख्य वजह वर्कआउट की कमी और खराब जीवनशैली है। अगर आप भी इस तरह की किसी समस्या से परेशान हैं तो सूरजमुखी के बीज आपकी मदद कर सकते हैं। सूरजमुखी के बीज में आवश्यक फैटी एसिड, विटामिन और मिनेरल्स के गुण पाए जाते हैं। जो शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद माने जाते हैं। इसी वजह से इन बीजों को सुपरफूड भी कहा जाता है। इनका नियमित सेवन करने से न सिर्फ आपको कई पोषक तत्व मिलते हैं बल्कि आप कई तरह की बीमारियों से भी दूर रहते हैं। आइए जानते हैं सूरजमुखी के बीजों का सेवन करने से शरीर को मिलते हैं कौन से फायदे।

हड्डियों को बनाएँ मजबूत
सूरजमुखी के बीज हड्डियों को मजबूत बनाएँ रखने में भी मदद करते हैं। सूरजमुखी में मैग्नीशियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को लिए लाभदायक होता है।

कब्ज से छुटकारा
सूरजमुखी के बीज में फाइबर की अधिकता होने की वजह से कब्ज की समस्या में राहत मिल सकती है।

ब्लड शुगर कंट्रोल करे
अध्ययनों में पाया गया है कि सूरजमुखी के बीजों में ब्लड शुगर को कम करने वाला क्लोरोजेनिक एसिड होता है। रिसर्च की मानें तो रोज लगभग 30 ग्राम सूरजमुखी के

इन बीजों को सुपरफूड भी कहा जाता है। इनका नियमित सेवन करने से न सिर्फ आपको कई पोषक तत्व मिलते हैं बल्कि आप कई तरह की बीमारियों से भी दूर रहते हैं।

बीज खाने से 6 हफ्तों के अंदर 10 फीसदी तक ब्लड शुगर लेवल कम हो सकता है।

त्वचा में लाता है चमक
सूरजमुखी के बीजों में विटामिन ई पाया जाता है जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट सिलेनियम स्कैन को टूट कर करने में विटामिन ई की मदद करता है। इसके तेल में बैक्टिरिया के खिलाफ लड़ने की क्षमता होती है। जो त्वचा को हेल्दी रखने में मदद कर सकता है। एस्ट्रोजेन एक प्रकार का हॉर्मोन होता है, जिसके असंतुलन से शरीर में कई तरह की समस्याएँ जैसे थायरॉइड, डायबिटीज व ब्रेस्ट कैंसर हो सकता है। लेकिन सूरजमुखी में मौजूद फाइटोएस्ट्रोजेन एस्ट्रोजेन को संतुलित करने का काम कर सकते हैं। एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार, फायटोएस्ट्रोजेन ब्रेस्ट कैंसर और मेनोपॉज के बाद होने वाले कैंसर के खतरे को भी कम करने का काम करता है।



चेहरे की खूबसूरती बढ़ानी हो या फिर स्वाद और सेहत की हो बात, भारतीय परिवारों में हल्दी का इस्तेमाल जरूर किया जाता है। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए भी कई लोग रोजाना रात को हल्दी वाला दूध पीकर सोते हैं। पर हल्दी का अधिक सेवन शरीर में आयरन की कमी पैदा कर सकता है, ये है साइड इफेक्ट्स

अधिक हल्दी न डालें। अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो आप हल्दी का सेवन कम मात्रा में ही करें।

रोजाना कितना करें हल्दी का सेवन
एक्सपर्ट बताते हैं कि रोजाना एक टी स्पून हल्दी का सेवन इसके लाभ उठाने के लिए काफी है। वहीं अगर आप इसका अधिक सेवन करते हैं तो इससे आपको पेट से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही इसके कारण आपको चक्कर भी आ सकते हैं।

आयरन की कमी पैदा कर सकता है हल्दी का अधिक सेवन

चेहरे की खूबसूरती बढ़ानी हो या फिर स्वाद और सेहत की हो बात, भारतीय परिवारों में हल्दी का इस्तेमाल जरूर किया जाता है। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए भी कई लोग रोजाना रात को हल्दी वाला दूध पीकर सोते हैं। पर क्या आप जानते हैं, अपने औषधीय और हीलिंग गुणों के लिए पहचाने जाने वाली हल्दी का सेवन अगर जरूरत से ज्यादा किया जाए तो ये पायदे की जगह नुकसान तक पहुंचा सकती है।

पेट से जुड़ी समस्याएं
हल्दी की तासीर गर्म होने की वजह से इसका अधिक सेवन करने से व्यक्ति के पेट में जलन पैदा हो सकती है। इतना ही नहीं व्यक्ति को सूजन और पेट में ऐंठन की समस्या भी परेशान कर सकती है।

पथरी
हल्दी का अधिक सेवन करने से व्यक्ति को किडनी में पथरी की समस्या हो सकती है। हल्दी में ऑक्सालेट

की प्रचुर मात्रा होती है। अधिक मात्रा में हल्दी का सेवन करने से पित्त पथरी के विकास का जोखिम बढ़ सकता है।

उल्टी और दस्त
हल्दी के अधिक सेवन करने से पाचन संबंधित समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। जिसकी वजह से कई बार व्यक्ति को दस्त या उल्टी की समस्या भी होने लगती है। दरअसल, हल्दी में पाया जाने वाला सक्रिय यौगिक करक्यूमिन में गैस्ट्रोइन्टेस्टिनल ट्रेक्ट को परेशान करने की प्रवृत्ति होती है, जिसकी अधिक मात्रा में सेवन से दस्त और उल्टी का कारण बनता है।

आयरन की कमी
हल्दी का अधिक सेवन आयरन के अवशोषण को बाधित कर सकता है। इसलिए, आयरन की कमी वाले लोगों को सावधान रहना चाहिए कि वे अपने दैनिक भोजन में बहुत



शरीर खोखला कर देंगी ये आदतें, तुरंत छोड़ें

हमारा शरीर हमारी ही आदतों का आईना है। इसलिए अस्वस्थ आदतों से बीमारियाँ और स्वस्थ आदतों से सेहत बढ़ती है। हम जानें-अनजाने में धीरे-धीरे ऐसी आदतों को गले लगा लेते हैं, जो दिमाग से लेकर शरीर को कमजोर बनाने लगती हैं। ऐसी ही कुछ गलत आदतें जो धीरे-धीरे शरीर और मस्तिष्क को खा जाती हैं और आपको एक बीमार इंसान बना देती हैं। इनके साथ स्वस्थ आदतों के बारे में भी बताया गया है, जो आपको पूरी तरह बदलकर हेल्दी और फिट बना देंगी।

ओटीटी पर फिल्में देखने की जगह नीड लेना
ओटीटी की वजह से देश-विदेश का सिनेमा देखना काफी आसान हो गया है। कई लोगों को हर रात कोई ना कोई सीरीज या फिल्म देखकर सोना पसंद है। लेकिन इससे आपकी लाइफस्टाइल खराब हो सकती है और नीड की कमी हो सकती है। आप सोने के दौरान मोबाइल, गैजेट को बिस्तर से दूर ही रखें।

आदत को घर के हेल्दी खाने से बदल डालें।
फिजिकल एक्टिविटी
अगर आप भी टीवी के शौकीन हैं तो ये आदत अभी बदल डालें। क्योंकि, सोफे या बेड पर पड़े रहने से शरीर की मसल्स भी आलसी हो जाती हैं। इसकी जगह आप थोड़ा टहलना, आसपास पैदल जाना जैसी एक्सरसाइज करें। इससे आपका मन भी बहल जाएगा और आप तंदुरुस्त भी हो जाएंगे।

ज्यादा सोचने की जगह एक्शन लेना
अक्सर हमारी अस्फलता ही उदासी का कारण बनती है। जिसके लिए हम सिर्फ सोचते रहते हैं। मगर कोई मजिल तब तक नहीं मिलती, जबतक आप उसके लिए मेहनत ना करें। इसलिए ज्यादा सोचना छोड़कर उठें और एक्शन लें।
शिकायत की जगह आभार
इंसानी फितरत हमेशा शिकायत करने की होती है, जिससे सिर्फ नकारात्मकता बढ़ती है। बल्कि अच्छी मेंटल हेल्थ के लिए इसकी जगह आपको आभारी होना चाहिए। जो कुछ आपके पास है, बहुत लोगों के पास वो भी नहीं है। इसलिए अपने पास मौजूद रिश्ते और चीजों के लिए आभारी रहें।

नरेगा नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां, जिम्मेदार मौन

पायनियर संवाददाता < कवर्था
www.dailypioneer.com

कबीरधाम जिला में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत को बनाया जाता है लेकिन सरपंच से रूढ़बेदार लोग ठेका लेकर मनमानी करते दिखाई देते हैं। नागरिक सूचना पटल भी नहीं बनाया जाता। जिससे पारदर्शिता की कमी दिखाई देता है, नाली की खुदाई मजदूरों के बजाए मशीन से कार्य कराया जाता है। जो साफ साफ दिखाई देता है। बावजूद सक्षम अधिकारी अनजान बने हुए दिखाई देते हैं। कवर्था जिला मुख्यालय के आसपास के गांवों की ये स्थिति है तो दूरस्थ इलाकों का भगवान ही मालिक होगा।

नागरिक सूचना पटल नहीं : महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत कोई भी निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पहले नागरिक सूचना पटल बनाए जाने का प्रावधान है जो स्वीकृति आदेश पर



साफ साफ लिखा होता है। जिसमें कार्य का नाम, कार्य का तकनीकी स्वीकृति, कार्य का प्रारंभ तिथि, कार्य पूर्णता दिनांक, अनुमानित लागत, कार्य एजेंसी का नाम, तकनीकी सहायक, कार्यक्रम अधिकारी, लोकपाल का नाम, शिकायत का जिला एवं राज्य का स्तर पर शिकायत करने के लिए टोल फ्री

नंबर सहित समस्त जानकारी प्रदर्शित किए जाते हैं, लेकिन निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत छटा झा में ऐसा नहीं किया गया है और नाली निर्माण कार्य में मनमानी किया जा रहा है।

नाली निर्माण कार्य में मनमानी : जनपद पंचायत कवर्था के अधीनस्थ ग्राम पंचायत छटा झा के डीलवा पारा में अमृत बाई घर से नाली की ओर नाली निर्माण कार्य किया जा रहा है। नाली निर्माण कार्य के लिए गड्ढा की खुदाई मजदूरों के बजाए जे सी बी से किया गया है और निर्माण के समय मजदूरों से सफाई कराते हुए किया जा रहा है जबकि निर्माणधीन स्थान पर कोई पत्थर या कड़ा मिट्टी नहीं है। मजदूर आसानी से खुदाई कर सकते थे।

निर्माण कार्य प्राकलन के अनुरूप नहीं

ग्राम पंचायत छटा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत निर्माणधीन नाली में प्रकलन के अनुसार निर्माण नहीं किया जा रहा है। नाली निर्माण के लिए बेस में 40 एम एम की गिट्टी का उपयोग किया जाना चाहिए लेकिन निर्माण एजेंसी ने मनमानी करते हुए 20 एम एम की गिट्टी से बेस और ढलाई का कार्य किया जा रहा है जो गलत है साथ ही निर्माणधीन स्थल पर पर्याप्त जगह होने के बावजूद टेढ़ा तरीके से बनाया जा रहा है।

नियमित निरीक्षण का आभाव

ग्राम पंचायत छटा में निर्माणधीन नाली निर्माण में जिम्मेदार अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण नहीं करते ऐसा कार्य स्थल को देखने से दिखाई देता है। छोटे से नाली के निर्माण भी सीधा होने के बजाए टेढ़ा है। निर्माण कार्य शुरू होने से पहले तकनीकी सहायक के द्वारा कार्य स्थल पर पहुंचकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाता है लेकिन ऐसा नहीं हुआ है लगता है।

पुलिस ने आटो चालकों के साथ चलाया पोस्टर अभियान



पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर पुलिस नशे के खिलाफ पिछले कुछ महीनों से निजात अभियान चला रही है। इस दौरान न केवल नशीले

टेबलेट, शराब, गांजा जब्त कर रही है बल्कि इस अभियान के तहत लोगों को जागरूक भी कर रहा है। इसी सिलसिले में आजाद चौक पुलिस ने रविवार को आटो चालकों के साथ पोस्टर

अभियान चलाया, इस दौरान मौजूद आटो चालकों ने कभी नशा न करने की कसम भी खाई और दूसरे आटो चालकों को भी इसके दुष्परिणाम के बारे में जानकारी देने की बात कही।

राजधानी के गंजपारा का अहाता ठेका 31 लाख का, बिका 94 लाख में

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

राजधानी के गंजपारा का अहाता इतना महंगा बिका कि इसे लेकर अधिकारी भी हैरान हैं। यह अहाता 94 लाख 47 हजार रुपये में बिका है, जबकि विभाग ने इसकी कीमत सिर्फ 31 लाख 15 हजार रुपये आंशिक रखी थी। इस तरह यह अहाता तीन गुना अधिक कीमत पर ठेके पर गया है। हालांकि इधर जिसे ठेका मिला है, उन्होंने इस कीमत पर अहाता मिलने पर भी खुशी जताई है। उनका कहना है कि अहाता मिलने के बाद उसे बड़ा ऑफर भी आ चुका है, जिसे उसने ठुकरा दिया।



अहाता को 94 लाख 47 हजार रुपये में लिया गया है। इस राशि को 11 महीने में बांटें, तो एक

9 से 10 लाख रुपए आय होगी, तब जाकर इससे अहाता ठेकेदार की कमाई होगी। इस तरह प्रतिदिन कम से कम 30 से 40 हजार रुपए की कमाई ठेकेदार को अहाता से करनी होगी। आबकारी विभाग ने अहाता का टेंडर 1 मई 2024 से 31 मार्च 2025 तक के लिए निकाला है। इस तरह अहाता 11 महीने के लिए दिया गया है। इस तरह अहाता लेने वाले को एक माह का समय पहले ही कम मिला है, वहीं अहाता खुलने में अभी कुछ दिन का समय और लग सकता है। इस तरह चालू माह का एक पखवाड़ा भी गुजर जाएगा,

पीएससी घोटाले में किसी भी दोषी को नहीं छोड़ा जाएगा : ओपी चौधरी

रायपुर। राज्य के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पीएससी घोटाले पर बड़ा बयान दिया है। घोटाले के कई आरोपी गायब हो चुके हैं, यहां तक कि कुछ के तो देश छोड़ने की खबर आ रही है। सीबीआई ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किसी भी दोषी को नहीं छोड़ा जायेगा। टामन सिंह सोनवानी व जीवन धुव पर शिकंजा कसा जायेगा। पीएससी घोटाले के पीड़ितों को पूरा न्याय मिलेगा। फिलहाल चौधरी संतुष्ट के निर्देश पर दूसरे राज्यों में प्रचार के लिए जा रहे हैं।

फिर बदला मौसम का मिजाज : तेज आंधी-तूफान से पेड़ टूटकर सड़क पर गिरे, अलर्ट जारी

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

पिछले कई दिनों से प्रदेश के कई जिलों में लगातार तेज आंधी-तूफान और बारिश का सिलसिला जारी है। रविवार को प्रदेश के कई इलाकों में बादल छाए रहे। रायपुर-जगदलपुर मार्ग पर कई जगह पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गए हैं। कई जगहों पर बिजली के तार टूटने से गांवों में बिजली गुल हो गई है। वहीं किसानों की फसलों को भी नुकसान हुआ है। राजधानी रायपुर और आसपास के जिलों में भी आसमान पर काले बादल छाए रहे। जानकारी अनुसार उत्तर-पश्चिम राजस्थान से



मध्यप्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल होते हुए दक्षिण असम तक एक द्रोंणिका बनी है। मध्यप्रदेश और आसपास 1.5 किमी की ऊंचाई पर एक चक्रवात है। इस सिस्टम की वजह से समुद्र से नमी आ रही है। राजस्थान और मध्यप्रदेश में इस वजह से बारिश हो रही है। जिसका असर छत्तीसगढ़ में भी दिख रहा है। मौसम विभाग ने सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, बिलासपुर, पेंड्रा,

रायगढ़, मुंगेली, कोरवा, जांजगीर, रायपुर, बलौदा बाजार, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, राजनादागांव में हल्की बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों तक छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि 13 मई से बारिश, अंधड़ और गरज-चमक पड़ने की गतिविधियां बढ़ेंगी, इसका असर राज्य के सभी संभागों में नजर आएगा। 15 मई तक प्रदेश में यही हालात रहेंगे।

प्रशासनिक सेवा के प्रतिभागियों के लिए रायपुर जिला प्रशासन की अभिनव पहल

आयाम ऊंची उड़ान का आयोजन 18 मई को पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में

10-12वीं के मेरिट स्टूडेंट्स 'मेधा सम्मान' से होंगे सम्मानित

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा अखिल भारतीय व राज्य प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे स्थानीय युवाओं के लिए आयाम ऊंची उड़ान का कार्यक्रम का आयोजन शनिवार 18 मई को शाम 4 बजे से होगा। इसमें अखिल भारतीय सेवा के प्रशासनिक, पुलिस, वन व अन्य संवर्गों के अधिकारियों से सीधे संवाद कर प्रतिभागी अपनी तैयारियों के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। गत यूपीएससी में चयनित युवा भी इस अवसर पर अपने अनुभव साझा करेंगे। हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में मेधा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन पूरी तरह से नि:शुल्क है एवं अभिभावक भी इसमें शामिल होकर अपनी जिज्ञासाएं साझा कर सकेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक सभी प्रतिभागियों को <http://surl.li/toqke> लिंक पर अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। रायपुर जिला



प्रशासन द्वारा अखिल भारतीय व राज्य प्रशासनिक सेवा से संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े स्थानीय युवाओं को विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करने आयाम ऊंची उड़ान का कार्यक्रम का आयोजन 18 मई को शाम 4 बजे से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में वर्ष 2011 से 2024 तक चयनित आई.ए.एस., आई.पी.एस., आई.एफ.एस. व अन्य संवर्गों के अफसरों को जिला प्रशासन द्वारा विशेष तौर पर मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। ये अधिकारी स्थानीय युवाओं को बदलते ट्रेंड, अध्ययन सामग्रियों की उपलब्धता, विषय चयन, प्रारंभिक, मेन्स व

साक्षात्कार, भाषागत चुनौतियों के साथ ही तैयारियों की व्यवस्थित शुरुआत के संबंध में सभी जरूरी टिप्स देंगे। इस आयोजन के अंतर्गत मेधा सम्मान समारोह का भी आयोजन होगा, जिसमें अखिल भारतीय सेवा की परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों के साथ ही 10-12वीं की परीक्षा में प्रावीण्यता प्राप्त करने वाले स्थानीय विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में नालंदा परिसर, तखशिला, सेंट्रल लाइब्रेरी, स्थानीय संस्थानों आदि में अध्ययनरत युवा प्रतिभागियों के साथ ही इस बार उनके अभिभावक भी शामिल हो सकेंगे और प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारियों से जुड़े अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम में सम्मिलित होने <http://surl.li/toqke> लिंक पर जाकर अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इस लिंक से संबंधित क्यू-आर कोड भी जारी किया गया है, जो जिला प्रशासन रायपुर, नगर निगम रायपुर व रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडलस जैसे- फेसबुक, ट्विटर-एक्स, इंस्टाग्राम आदि में उपलब्ध है। इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को शनिवार, 18 मई को दोपहर 3.30 बजे तक पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आकर अपना स्थान सुनिश्चित करना होगा।

13 May 2024 **Pride Of Raipur**

भामरा गार्डन

1 ROOM
2 POOL
3 FOOD

सिरपुर-बाटनवापरा

Book Now

9589386162, 7354929810

छत्तीसगढ़ में पहली बार

0/- रुपये में

ई-रिक्शा पर ले जाये

वे स्कीम सीमित समय के लिये कहीं मौका हाथ से निकल ना जाये...

करन मोर्टर्स

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL

"Education makes future better"

ADMISSION OPEN

Nursery to 12th (Biology, Maths, Commerce)

Register Now at www.mesraipur.com

50% Special Discount on ADMISSION FEES

Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.)
Contact:- 07771-4000123

M A K AZAD COLLEGE OF PHARMACY, RAIPUR (C.G.)

Since - 2004

Approved by PCI New Delhi

Affiliated with CSVTU Bhilai

ADMISSION / REGISTRATION OPEN - 2024-25

B Pharmacy - D Pharmacy

XII Science - PCB/ PCM

B Pharmacy lateral entry

CHOURASIYA COLONY NAV DURGA NAGAR RAIPUR
9329621221, 9425214413, 9981224037, 7714913335

KSR Kisan Parryware

Shree Vijay Sales

Near Ganesh Vinayak Eye Hospital Opp Colors Mall, Dhantari Road, Pachpedi Naka Raipur, Mob. 999376888

Home Construction

HOUSE Planning | Construction Work (with or without Materials)
BOQ for bank Loans | Building Materials Supplying | Landscaping
All Electrical and Plumbing Services | Consultancy Services

Under Supervision of a well experienced Civil Engineer

@ Raipur
M : 82239-70000 M/s. SHEKHAR SAHAY
86029-59274

Shop# 139, 1st Floor, Progressive Point, Lalpur, Raipur

Cartridge Refilling

Refilling @ Your Door Step

JB Mall, Lower Ground Floor, M.G. Road, Raipur (C.G.)

Callaway Print Your Imagination With Us.

9302787900, 9425211789

विज्ञापन हेतु जगह उपलब्ध है।

9329846567

9827146567

FINOLEX PIPES

Agriculture, Plumbing & Sanitation.

Auth. Distributors

M.R. Traders

93291-03793, 86460-60607

Opp. Deshbandhu School, Station Road, Raipur

विज्ञापन के लिये संपर्क करें : 9827146567, 9329846567